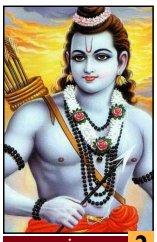

पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 02 | अंक: 7 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शुक्रवार 7 जुलाई, 2023 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

समर्पण संस्था का शिक्षा दान महोत्सव हुआ सम्पन्न

148 जरूरतमंद विद्यार्थियों को भेंट किये फीस के चैक व शिक्षण सामग्री

जयपुर (संस्कार सृजन)। दुनिया में परिवर्तन के लिए शिक्षा सबसे बड़ा साधन है । शिक्षा ही इन्सान को नई सोच और दिशा दे सकती है।इसलिए शिक्षा का दान सर्वोत्तम है । उक्त विचार समर्पण संस्था द्वारा प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में आयोजित शिक्षा दान महोत्सव में मुख्य अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफ़ेसर श्याम लाल ने व्यक्त किये ।

उन्होंने कहा कि आज देश में समाजवादी प्रवृति को बढ़ावा देने की जरूरत है जिसे समर्पण संस्था द्वारा साकार किया जा रहा है । शिक्षित भारत कि परिकल्पना को साकार करने में संस्था का महत्वपूर्ण योगदान है । इससे पूर्व शिक्षा दान महोत्सव की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ की गई जिसे मुख्य अतिथि प्रोफेसर श्याम लाल ने अन्य विशिष्ट अतिथियों व संस्था पदाधिकारियों के साथ किया। इसके बाद समर्पण प्रार्थना का उच्चारण कोषाध्यक्ष

राम अवतार नागरवाल, अंजलि माल्या व सुवज्ञा माल्या ने करवाया और एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म द्वारा संस्था गतिविधियों की जानकारी दी गई ।

महोत्सव में संस्था द्वारा चयनित कुल 148 जरूरतमंद निर्धन विद्यार्थियों को फीस के चैक, किताबें, नोटबुक्स यूनिफॉर्म, स्टेशनरी आदि भेंट की गई तथा सभी विद्यार्थियों को समर्पण आदर्श विद्यार्थी का कार्ड दिया गया । इस अवसर पर जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करने वाले संस्था द्वारा नियुक्त शैक्षिक राजदूतों (एज्युकेशनल एम्बेसेडर) को भी सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया । संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने अपने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए संस्था गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी ।

डॉ. माल्या ने समर्पण आदर्श विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए कहा कि दीवारों पर टक्कर देते रहिये, दीवारों में दरवाजे बन जायेंगे । संघर्ष ही इन्सान को श्रेष्ठता की ओर ले जाता है । संस्था के प्रधान मुख्य सलाहकार व पूर्व जिला न्यायाधीश उदय चन्द बारूपाल ने एज्युकेशनल एम्बेसेडर अभियान की परिकल्पना और समर्पण आदर्श विद्यार्थियों की चयन प्रक्रिया के बारे बताया । इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक नरेन्द्र सिंह रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा इन्सान का सम्पूर्ण विकास करती है। शिक्षा ही इन्सान को देश व समाज के प्रति संवेदनशील बनाती है ।

इस अवसर पर लोक कलाकार सीताराम बैरवा द्वारा लोक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी गयी । विशिष्ट अतिथि व गायिका अपर्णा वाजपेयी ने भी एक गीत प्रस्तुत किया और नन्ही 8 वर्षीया बालिका राध्या द्वारा कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गयी । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व ज़िला न्यायाधीश डॉ. पदम कुमार जैन ने कहा कि चयनित समर्पण आदर्श विद्यार्थी संस्था द्वारा दिये गये शिक्षा सहयोग का सम्मान करें और अपने जीवन को निखारने के लिये निरन्तर प्रयासरत रहे । महोत्सव में अन्य विशिष्ट अतिथि ज़िला न्यायाधीश व राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार शैलेन्द्र व्यास, रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमेन बी एस रावत ,सेवानिवृत्त आई.ए.एस. श्रीराम चौरड़िया, दूरसंचार विभाग के निदेशक फ़तेह सिंह,सरस्वती विद्यापीठ सीनियर सेकंडरी स्कूल की प्राचार्या स्नेहलता भारद्वाज व सी. ए. विजय गोयल भी उपस्थित रहे। महोत्सव में संस्था सदस्यों के अलावा अनेक गणमान्य नागरिकों नें भाग लिया । मंच संचालन दूरदर्शन समाचार वाचक व वॉयस ऑवर आर्टिस्ट गौरव शर्मा ने किया ।

एक भी परिवार महंगाई राहत योजनाओं के लाभ से न रहे वंचित:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने लॉन्च किया जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट

जयपुर (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा महंगाई से राहत देने के लिए संचालित 10 जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र परिवार वंचित नहीं रहे, इसके लिए जन सम्मान वीडियो कॉन्टेस्ट की शुरूआत की गई है। इस कॉन्टेस्ट के माध्यम से जहां महंगाई राहत अभियान में आमजन की सहभागिता निरन्तर बनाये रखने में सहायता मिलेगी वहीं लोगों को सरकार की अन्य जनहितकारी योजनाओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त हो सकेगी। गहलोत ने वीडियो कॉन्टेस्ट का शुभारम्भ करते हुए अपने वीडियो संदेश में कहा कि महंगाई राहत कैम्पों में अब तक प्रदेश के लगभग 1 करोड़ 80 लाख परिवारों ने पंजीकरण करवाया है। इस वीडियो कॉन्टेस्ट के माध्यम से शेष रहे करीब 15 लाख परिवारों को जोड़ने का काम हो सकेगा। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर उनसे सम्बन्धित 30 से 120 सैकण्ड का वीडियो बनाकर #JanSammanJaiRajasthan हैश टैग के साथ कम से कम दो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड करें एवं उन वीडियोज का लिंक वेबसाइट Jansamman.rajasthan.gov.in पर शेयर करें। गहलोत ने कहा कि आमजन द्वारा महंगाई राहत कैम्प में शामिल 10 योजनाओं के साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं से सम्बन्धित वीडियो बनाये जा सकते हैं। साथ ही, वीडियो बनाने के लिए एक से अधिक योजनाओं का चुनाव भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी भी इस मुहिम से जुड़े इसके लिए प्रतिदिन प्रथम पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन 1000 रुपये के 100 प्रेरणा पुरस्कार भी दिये जाएंगे।

पंडित रविन्द्राचार्य ने किया एक्टर वासुदेव सिंह का सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र जयपुर कार्यालय में एक्टर, डायरेक्टर और बॉलीवुड इंटरनेशनल फिल्म एंड टेलिविजन एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वासुदेव सिंह का दातारामगढ़ से पधारने पर अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने सम्मान किया । आचार्य ने सम्मान स्वरूप दुपट्टा पहनाकर,साफा बंधवाकर सम्मान किया और उज्जवल भविष्य की कामना की । वासुदेव सिंह ने बताया कि राजस्थानी फिल्म ज्वाला ,लव विथ भूतनी, हिंदी फिल्म डॉन करमचंद, भोजपुरी फिल्म दुल्हन चाहे कश्मीर से ,डॉक्टर केयर ऑफ राजकुमार पांडे, परिवार में प्यार हो में काम किया है । जल्द ही फिल्म भगवान सत्यनारायण हिंदी फिल्म आ रही है । इस दौरान पंडित हरिओम शास्त्री, रौनक शर्मा, दुर्गा उपासक ज्योति शर्मा, राजेश शर्मा, दीपक सिंह ,मुकेश शर्मा ,संजना शर्मा आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

70 अचीवर्स को अपने उल्लेखनीय कार्य के लिए शिल्पा शेट्टी व वाटर प्रूफिंग किंग राज खान ने किया सम्मानित

जयपुर (संस्कार सृजन)। प्रसिद्ध बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपनी खूबसूरती और स्टाइल के साथ गुलाबी नगरी की शाम में चार चांद लगाए। मौका था इंडो इंटरनेशनल अचीवर्स अवॉर्ड 2023 के शहर के जयपुर मैरियट होटल में भव्य आयोजन का। इस कार्यक्रम के दौरान अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के साथ समाज में मूल्यवान स्थान बना चुके लगभग 70 हस्तियों को सम्मानित किया गया। जहां 70 अचीवर्स को 40 से ज्यादा कैटेगरीज, जैसे फैशन, एजुकेशन, बिज़नेस, आर्ट एंड कल्चर, मेडिकल, ज्वेलरी, ब्लॉगर, एफ एंड बी, डिफेन्स में चयन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विशिष्ट अतिथि जगदीश चंद्रा, कार्यक्रम की ब्रांड एम्बेसडर सुरभि गुप्ता, प्रबंधक रिंकु सिंह गुर्जर, अंबालिका शास्त्री सहित वाटर प्रूफिंग किंग राज खान, रोहित जैन, गोल्डन बॉयज, कोणार्क जैन, हुकुम सिंह कुंपावत, अजय जैन, नरेश अग्रवाल, डॉ पूजा अग्रवाल, विकास जैन द्वारा दीप प्रज्जवलन

कर किया गया। कार्यक्रम में फैशन सीक्वेंस भी आयोजित हुआ, जिसमें एलीट मिस राजस्थान के टैलेंट ने रैंप पर नए ट्रेंड्स को शोकेस किए। साथ ही कॉमेडी नाइट्स विद कपिल फेम कॉमेडियन और एंकर विकल्प मेहता ने सभी दर्शकों को खूब गुदगुदाया। राज खान ने सेलेब्रिटी शिल्पा शेट्टी का भव्य स्वागत किया। राज खान वाटर प्रूफिंग के साथ साथ समाज सेवा भी करते है । महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सेवा अपना धर्म समझते है और यथा शक्ति मदद करते रहते है उनका मानना है कोई भूखा न सोए।

श्री शिरडी साईं मंदिर में हुआ कन्या प्रसादी और भजन कीर्तन का आयोजन

चौमूं (संस्कार सृजन)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ईटावा भोपजी स्थित श्री शिरडी साईं मंदिर में कन्या प्रसादी और भजन कीर्तन का आयोजन मंदिर महंत कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत के सानिध्य में किया गया। श्रीराम भक्त मण्डल द्वारा साईंनाथ मंदिर में सांझी बायां संज्या सती मातेश्वरी के वार्षिक पाटोत्सव एवं साईं मंदिर पूजारी केप्टन पृथ्वीसिंह नाथावत की वैवाहिक बंधन की वर्षगांठ के अवसर पर मंदिर परिसर में कन्या पूजन, प्रीतिभोज एवं रामधुनी सत्संग का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रीराम भक्त मण्डल ईटावा भोपजी द्वारा केप्टन पृथ्वीसिंह एवं उनकी धर्मपत्नी सुप्यार कंवर का रामनाम दुपट्टा माला पहनाकर एवं राम दरबार फोटो प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एडवोकेट भंवर सिंह नाथावत, गिरधारी लाल जांगिड, पं.हेमन्त कुमार शर्मा, रामजीलाल शर्मा, कल्याण सहाय सैनी,एंकर भंवर, गायक शंकर सैन, ओमप्रकाश कुमावत (सरपंच निवाना), सूरदास, पं. गिरीराज शर्मा, हवलदार जितेंद्र सिंह नाथावत,एडवोकेट अजयसिंह नाथावत, एडवोकेट आकाश सिंह नाथावत,कृष्ण कुमार सैन, गायक बृजेश राणा, वादक कालू राणा ने भजनों की शानदार प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध किया । श्रद्धालुओं ने जमकर ठुमके लगाकर

भजनों का आनंद लिया । केप्टन पृथ्वीसिंह नाथावत ने बताया कि मातृशक्ति एवं मातृभूमि दोनों का सम्मान पूजन और रक्षा सभी का दायित्व है । हमारे लिए राष्ट्र देश हित सर्वोपरि है, हमारा देश स्वस्थ, स्वच्छ, शिक्षित, संस्कारित, आत्मनिर्भर एवं विकसित बने। कार्यक्रम में पूर्व सैनिक संगठन मंत्री राजेन्द्र सिंह शेखावत, मिडिया प्रभारी नन्दलाल खटीक, रविन्द्र सिंह नाथावत, भवानी सिंह लोहरवाडा, सूबेदार दीपसिंह शेखावत, महेंद्र सिंह, मुकेश मित्तल, राम गोपाल बजाज, कन्या पूजन में प्रियाकंवर, आयुषि नाथावत, अनुष्का, अंजलि नाथावत, साक्षी जांगिड, हीना मीणा, अंशु सैन, साक्षी भार्गव, रीना मीणा आदि कन्यायों का सम्मान किया गया । आगन्तुकों एवं ग्रामीणजनों ने केप्टन पृथ्वीसिंह का सम्मान किया तथा वैवाहिक वर्षगांठ की शुभकामनाएं दी ।

संपादकीय

बार-बार पाठ्यक्रम बदलने के निहितार्थ

कर्नाटक में स्कूली बच्चों के पाठ्यक्रम ने एक बार फिर करवट ले ली है। कहा जाता है कि राजनीति सबसे पहले अतीत में दखलंदाजी करती है, इसलिए इतिहास की किताबों से ऐसे कई लोग बाहर हो गए हैं, जो अभी तक वहां नायक के तौर पर स्थापित किए जा रहे थे। यह कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था अब इसकी अभ्यस्त हो गई है। नई समस्या यह है कि कर्नाटक में पिछली दो सरकारों के समय जो इतिहास के साथ हुआ, वही अब विज्ञान के विषयों के साथ भी होने वाला है। एनसीईआरटी ने पिछले महीने विज्ञान के पाठ्यक्रम में जो बदलाव किए और उन पर शुरू हुआ विवाद जिस तरह अभी तक जारी है, उससे कम से कम यही संकेत मिलते हैं। इतिहास और उसकी व्याख्याएं राजनीतिक विचारधाराओं से प्रभावित होती हैं, इसे तो अब दुनिया भर के इतिहासकार स्वीकार करते हैं, मगर विज्ञान को लेकर राजनीति हो, यह चीज भारत के लिए बिल्कुल नई है। हालांकि, बाकी दुनिया के लिए शायद यह उतनी नई नहीं है। सोवियत संघ के ट्रोफिम डेनिसोविच लिसेनको की कहानी अब तक लोग भूल चुके हैं, पर उनका उदाहरण यह समझने के लिए जरूरी है कि विज्ञान में जब राजनीति पहुंचती है, तो गिरावट किस हद तक जा सकती है। लिसेनको वैसे तो एक कृषि वैज्ञानिक थे, लेकिन वह अपनी राजनीतिक सक्रियता के कारण सोवियत संघ में बहुत ऊपर पहुंच गए। जल्द ही वह सोवियत विज्ञान के सबसे बड़े सिद्धांतकार बन गए। कुछ ही समय में उन्होंने निर्देश दिया कि लैमार्क के विकास के सिद्धांत तो मान्य होंगे, लेकिन जी.जे. मेंडल की जेनेटिक साइंस का कोई नाम भी नहीं लेगा। हालत यहां तक पहुंच गई कि उनसे असहमत होने वाले वैज्ञानिकों को सताया और जेलों में डाला जाने लगा। यह लिसेनको ही थे, जिनकी बनाई नीतियों को लागू करने के कारण पहले सोवियत संघ को भयानक अकाल का सामना करना पड़ा और बाद में जब कम्युनिस्ट चीन ने वही रास्ता अपनाया, तो उसे भी 1959 से 1962 तक भीषण अकाल झेलना पड़ा। बेशक, यह अपने तरह का अकेला उदाहरण है, लेकिन लिसेनको की कहानी हमें बताती है कि विज्ञान में राजनीतिक विचारधारा की दखल किस अति की ओर ले जा सकती है।विज्ञान में राजनीति की दखलंदाजी के दुनिया भर के बाकी उदाहरण भले इतने बड़े और भयानक नहीं हैं, लेकिन हमारे यहां जो हो रहा है, उसे देखते हुए वे काफी महत्वपूर्ण जरूर हैं। पिछले तकरीबन तीन दशक में अमेरिका और बाकी कई पश्चिमी देशों में लगातार ऐसे संगठन सक्रिय रहे हैं, जो चार्ल्स डार्विन व विकासवाद के पीछे लट्ठ लेकर घूमते रहते हैं। वे चाहते हैं कि जीव विज्ञान में इन विषयों की पढ़ाई बंद की जाए और अगर पढ़ाना ही है, तो उस सृष्टिवाद या 'क्रीएशनिज्म' को पढ़ाया जाए, जिनके सिद्धांत धार्मिक ग्रंथों से निकलते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि बहुत सारे दूसरे धर्मों के अनुयायी भी कई तरह से उनके समर्थन में खड़े दिखाई देते हैं। यह बात अलग है कि सबका सृष्टिवाद एक-दूसरे से अलग है, लेकिन चार्ल्स डार्विन से सबकी दुश्मनी तो समान है। इन संगठनों ने अपने आप को धरनों, प्रदर्शनों और जुलूसों तक ही सीमित नहीं रखा, वे इस मामले को लेकर अदालतों में भी गए।

दो बार ही क्यों बोला जाता है राम-राम जानिए क्या है इसका महत्व

राम सबकी चेतना का सजीव नाम है। श्री राम अपने भक्तों को सुख और सौभाग्य का वरदान देते हैं। तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिखा है कि प्रभु के जितने भी नाम प्रचलित हैं उनमें सर्वाधिक श्रीफल देने वाला नाम राम का ही है। राम नाम सबसे सरल और सुरक्षित है। इसका जाप करने से मनुष्य को लक्ष्य की प्राप्ति जरूर होती है।

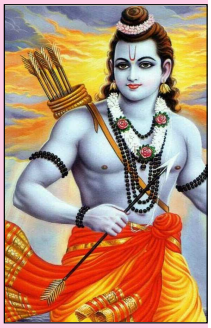

आप एक-एक मनके से गुजरते हुए जब 108 बार मंत्र को बोलते हैं, तब जाकर आपकी एक माला पूरी होती है। लेकिन राम-राम शब्द इतना चमत्कारी है कि इसे बोलने से ही 108 बार राम के नाम का जाप हो जाता है। यानी राम-राम साथ बोलना एक माला के जाप के समान है। आइए जानते हैं कैसे-

इसलिए दो बर बोला जाता है राम-राम

हिंदी शब्दावली के अनुसार, राम शब्द का पहला अक्षर यानी र सत्ताइसवें स्थान पर आता है। वहीं दूसरा अक्षर आ जो कि मात्रा के रूप में र के साथ लगता है वह दूसरे स्थान पर आता है और म पच्चीसवें स्थान पर आता है। इस प्रकार यदि इन सभी का जोड़ किया जाए तो वह 108 बनते हैं। इसे इस प्रकार समझिए-

र (27)+आ (2)+म (25)= राम (54) : र (27)+आ (2)+म (25)= राम (54) = राम राम (108)।

इसलिए अभिवादन करते समय दो बार राम राम बोलने की यह सभ्यता सालों से चली आ रही है। राम नाम का महत्व इतना अधिक है कि बच्चे के जन्म में श्री राम के नाम का सोहर होता है। विवाह आदि मांगलिक कार्यों के अवसर पर श्री राम के गीत गाए जाते हैं। यहां तक कि मनुष्य की अंतिम यात्रा में भी राम नाम का ही घोष किया जाता है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

क्या आप जानते हैं आजीवन ब्रह्मचारी रहे हनुमान जी के पुत्र के बारे में जानिए कैसे हुआ उसका जन्म

हनुमान जी ने अपना पूरा जीवन श्री राम की सेवा में बिताया और हर कदम पर उनकी रक्षा के लिए तत्पर रहे थे। हनुमान जी ब्रह्मचारी थे। लेकिन क्या आपको पता है कि उनका एक पुत्र भी था। वाल्मीकि रामायण में इससे संबंधित एक प्रसंग का वर्णन भी मिलता है। आइए जानते हैं हनुमान जी के पुत्र की उत्पत्ति कैसे हुई।

कैसे पसीने की बूंद से हुआ जन्म

हनुमान जी के पुत्र का नाम मकरध्वज था। उसकी उत्पत्ति की बड़ी ही रोचक कथा मिलती है। पौराणिक कथा के अनुसार, हनुमान जी लंका जला कर समुद्र में आग बुझाने को कूदे थे, तब उनके शरीर का तापमान बहुत ज्यादा था। जब वह सागर के ऊपर थे, तब उनके शरीर के पसीने की एक बूंद सागर में गिर गई थी, जिसे एक मकर अर्थात मछली ने पी लिया था, और उसी पसीने की बूंद से उसने गर्भधारण किया। एक मछली से जन्म लेने के कारण ही हनुमान जी के पुत्र का नाम मकरध्वज पड़ा।

कहां हुई पहली बार भेंट

जब पाताल लोक के असुरराज अहिरावण ने अपने भाई रावण के कहने पर प्रभु राम और लक्ष्मण को बंदी बना लिया था। और उन्हें पाताल लोक लेकर चला गया था। तब हनुमान जी प्रभु राम और लक्ष्मण को खोजते हुए पाताल लोक पहुंच गए। जब हनुमान जी पाताल लोक पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वहां सात द्वार थे और हर द्वार पर एक पहरेदार था। सभी पहरेदारों को हनुमान जी ने हरा दिया, लेकिन अंतिम द्वार पर उन्हीं के समान बलशाली एक वानर पहरा दे रहा था। वहां हनुमान जी अपने जैसे पहरेदार को देखकर अचंभित रह गए। उस पहरेदार का नाम मकरध्वज था। उसने स्वयं को हनुमान का पुत्र बताया। हनुमान जी इस बात को मानने को तैयार नहीं हुए, तब मकरध्वज ने अपनी उत्पत्ति की कथा हनुमान जी को सुनाई।

ध्यान हमारी निर्णय लेने की क्षमता को निखारता है

मन की दुविधा हो या अनिर्णय की स्थिति, दोनों ही परिस्थितियों में इनसे बाहर निकलने का एकमात्र ज़रिया है ध्यान। ध्यान हमारी समझ और निरीक्षण क्षमता को विकसित करने में सहायता करता है। और, एक बार जब हमारे भीतर यह क्षमता विकसित हो जाती है तो हमारी निर्णय क्षमता भी निखरने लगती है, ध्यान मन में इकट्ठा हुए तनावों को दूर करता है और मन को अपने असली स्वरूप में ले आता है। जब हमारा अंतर्मन शांत होता है, तब हम स्वत ही बाहरी संसार के साथ स्पष्ट मन से जुड़ जाते हैं। सभी तनावों से मुक्त मन एकाग्र, शांत और तीव्र हो जाता है। मन की इस अवस्था में लिए गए निर्णय, निश्चित रूप से अधिक उपयोगी और संतुलित होते हैं। मैं सही निर्णय कैसे लूं? मैं यह कैसे जान पाऊं कि मैं सही निर्णय ले रहा हूं और यह निर्णय मुझे अच्छा परिणाम ही देगा? मैं यह कैसे तय कर पाऊं कि मेरे विचार मेरे काम को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकेंगे? इसके साथ-साथ, अन्य हितधारकों को भी अपने काम से कैसे प्रसन्न कर सकूं? ऐसा बहुत ही कम होता होगा जबकि आपको अपने रोजमर्रा के जीवन के दौरान इस तरह के सवालों का सामना नहीं करना पड़ता होगा।

महाभारत के कुछ ऐसे रहस्य जिनके पीछे छिपा है आधुनिक विज्ञान

महाभारत कथा से हम सभी परिचित हैं। कई धार्मिक विद्वान महाभारत को मनुष्य के जीवन का आईना भी बताते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं की महाभारत में कुछ ऐसी बातें बताई गई हैं, जिनके पीछे न केवल आध्यात्मिक, बल्कि वैज्ञानिक महत्व भी छिपे हुए हैं। बता दें कि महाभारत काल में वर्तमान समय के आधुनिक विज्ञान का दर्शन कराया गया था। जिनका प्रमाण आज देखा और पढ़ा जा सकता है। आज हम महाभारत में छिपे कुछ ऐसे ही वैज्ञानिक तथ्यों पर बात करेंगे।

क्या महाभारत में किया गया था परमाणु हथियारों का इस्तेमाल महाभारत ग्रंथ में बताया गया है कि युद्ध के 18 दिनों में करीब 1.5 अरब योद्धा, सैनिक इत्यादि की मृत्यु हो गई थी। इस दौरान ब्रह्मशिरा, ब्रह्मास्त्र, पाशुपतास्त्र, वैष्णवास्त्र, नारायण अस्त्र, अग्नि अस्त्र, नागास्त्र, वज्रास्त्र, वरूणास्त्र आदि जैसे दैवीय अस्त्रों का उपयोग किया गया था। इससे यही समझा जा सकता है कि महाभारत के में बहुत भीषण अस्त्रों का उपयोग किया गया था।

संजय ने किया था महाभारत के युद्ध का सीधा प्रसारण सारथी गावलगण के पुत्र संजय महाभारत में सलाहकार थें। उन्होंने ही युद्ध में चल रही सभी गतिविधियों को अपनी दिव्य दृष्टि से देखकर धृतराष्ट्र को

बताया था। वह धृतराष्ट्र के सलाहकार और उनके सारथी भी थे। इससे हमें यही ज्ञान होता है कि महाभारत काल में आज की तुलना में विज्ञान कितना आधुनिक रहा होगा।

अभिमन्यु जो गर्भ में ही बन गया योद्धा महाभारत में एक कथा है कि, जब सुभद्रा गर्भवती थीं, तब उन्होंने अर्जुन से चक्रव्यूह में प्रवेश का रहस्य पूछा था। अर्जुन विस्तार से पूरी रणनीति को बता रहे थे और इन बातों को गर्भ में पल रहा अभिमन्यु भी सुन रहा था। लेकिन रहस्य जानने के बीच में ही सुभद्रा सो गई थीं। जिस वजह से अभिमन्यु को प्रवेश की प्रक्रिया का तो ज्ञान हुआ। लेकिन उसे चक्रव्यूह से निकलने की रणनीति को सीखने का मौका नहीं मिला। वर्तमान समय में आधुनिक विज्ञान भी यही कहता है कि जब मां के गर्भ में एक बच्चा पल रहा होता है।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

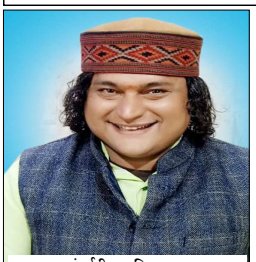

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष राशि - कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। पिता को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, माता का सहयोग मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से धनार्जन होगा, नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। परिवार के संग किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है, खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृष राशि - आत्मविश्वास में कमी रहेगी लेकिन परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है। किसी पुराने मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। इच्छा विरुद्ध कार्यक्षेत्र में वृद्धि संभव है।

मिथुन राशि - धैर्यशीलता में कमी रहेगी, आत्म संयत रहें, शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकता है। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार विस्तार होगा, लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। नौकरी में परिवर्तन की संभावना बन रही है, मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि - मन में प्रसन्नता के भाव तो रहेंगे, फिर भी आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें, माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में किसी दूसरे स्थान पर जाना हो सकता है, आय में वृद्धि होगी। रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है। परिवार का भी सहयोग मिलेगा। माता को स्वास्थ्य विकार हो सकता है, रहन-सहन कष्टकायी हो सकता है।

सिंह राशि - आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, किसी मित्र के सहयोग से संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धनार्जन हो सकता है। कला व संगीत में रुचि बढ़ेगी। परिश्रम की अधिकता रहेगी, खर्चों में वृद्धि होगी।

कन्या राशि - धैर्यशीलता में कमी आएगी, आत्म संयत रहें। वाणी का प्रभाव बढ़ेगा, किसी धार्मिक सत्संगी कार्यक्रम में जाना हो सकता है।

रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है। आय में वृद्धि होगी लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावनाएं बन रही हैं।

तुला राशि - अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धनलाभ हो सकता है, परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। भाइयों का सहयोग मिलेगा। स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही हैं।

वृश्चिक राशि - आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य विकार हो सकता है, चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन की संभावना बन रही है, किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। भाइयों के सहयोग से परंतु परिश्रम की अधिकता रहेगी।

धनु राशि - मन में निराशा व असंतोष के भाव रहेंगे, आत्म विश्वास में कमी रहेगा।

पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है। माता का सहयोग मिलेगा, खर्चों में वृद्धि होगी। मीठे खान-पान में रुचि बढ़ेगी, अफसरों मतभेद हो सकते हैं, परिवर्तन भी संभावित है।

मकर राशि - आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, लेकिन आत्म संयत रहें। आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, परिश्रम की

अधिकता रहेगी। माता का सानिंध्य व सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि की संभावना है।

कुंभ राशि - कारोबार के विस्तार की योजना साकार होगी, भाइयों का सहयोग मिलेगा लेकिन परिश्रम की अधिकता रहेगी। घर-परिवार में मांगलिक कार्य होंगे, अनियोजित खर्चे बढ़ेंगे।

वस्त्रादि उपहार भी मिल सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन राशि - वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। माता से विचारों में मतभेद हो सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, वाहन सुख में वृद्धि होगी।

जगन्नाथ मंदिर के इन रहस्यों को जान दबा लेंगे दांतो तले उंगली, विज्ञान भी नहीं सुलझा पाया ये मिस्ट्री

ओडिशा के तटवर्ती शहर पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर पूरी दुनिया में फेमस है। जगन्नाथ मंदिर हिंदुओं के चारों धाम में से एक माना जाता है। इस मंदिर के कई रहस्य और चमत्कार हैं। जिन्हें जानकर आप भी दांतों तले उंगली दबा लेंगें।

जगन्नाथ मंदिर का नाम तो आप सभी ने सुना होगा। क्योंकि पुरी का जगन्नाथ मंदिर हिंदुओं के चारों धाम में से एक माना जाता है। बता दें कि ओडिशा के तटवर्ती शहर पुरी में स्थित भगवान विष्णु का मंदिर पूरे विश्व में फेमस है। यह मंदिर भगवान श्रीहरि विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण को समर्पित है। हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के लिए मंदिर पहुंचते हैं।

यह मंदिर करीब 800 साल से भी पुराना है। इस मंदिर के कई ऐसे रहस्य और चमत्कारी बातें हैं जो लोगों को आश्चर्यचकित करती हैं। इन चमत्कारों के आगे विज्ञान भी फेल है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पुरी के जगन्नाथ मंदिर से जुड़े कुछ रहस्यों के बारे में बताने जा रहे हैं।

जगन्नाथ मंदिर के रहस्य जगन्नाथ मंदिर का सबसे बड़ा रहस्य जिससे आज तक पर्दा नहीं उठ सका। वह ये है कि मंदिर के शिखर पर स्थित झंडा हमेशा हवा के विपरीत दिशा में उड़ता है। बता दें कि आमतौर के दिनों में हवा समुद्र से धरती की ओर चलती है। वहीं शाम के समय में हवा धरती से समुद्र की ओर चलती है। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि यह प्रक्रिया उल्टी है। हालांकि ऐसा क्यों होता है। इस रहस्य से आज तक पर्दा नहीं उठ सका है।

बताया जाता है कि मंदिर के पास में ही समुद्र स्थित है। लेकिन मंदिर के अंदर जाने पर आपको समुद्र की लहरों की एक भी आवाज नहीं सुनाई देती है। लेकिन आप जैसे ही मंदिर के बाहर कदम रखेंगे आपको लहरों की आवाज साफ सुनाई देगी। ऐसे में यह भी किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

यह तो आपने भी देखा होगा कि आमतौर पर किसी भी मंदिर के ऊपर से पक्षी आदि गुजरते हैं। वहीं कई बार पक्षी मंदिर के शिखर पर भी बैठ जाते हैं। लेकिन इस मामले में उरी का जगन्नाथ मंदिर सबसे अलग है। इस मंदिर के ऊपर से न तो कभी कोई पक्षी उड़ता है और न कोई पक्षी बैठता है। बल्कि इस मंदिर के ऊपर से कभी हवाई जहाज भी नहीं गुजरता है।

भगवान जगन्नाथ मंदिर की रसोई सबसे हैरान कर देने वाली है। बता दें कि यहां पर भक्तों के लिए प्रसाद पकाया जाता है। प्रसाद पकाने के लिए सात बर्तन एक-दूसरे के ऊपर रखे जाते हैं। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि सबसे ऊपर रखे बर्तन का प्रसाद सबसे पहले पक जाता है। उसके बाद नीचे रखे एक के बाद एक बर्तन का प्रसाद पकने लगता है। इस मंदिर में भक्तों के लिए बनने वाला प्रसाद कभी भी कम नहीं पड़ता है। फिर चाहे इस प्रसाद को हजारों लोग खाएं या लाखों लोग, कोई भी बिना प्रसाद के नहीं रहता है। वहीं जैसे ही जगन्नाथ मंदिर का द्वार बंद होता है, वैसे ही प्रसाद भी खत्म हो जाता है।

रामायण से जुड़े कुछ ऐसे तथ्य जिनसे बहुत कम लोग हैं परिचित

बता दें कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में सभी बातों का उल्लेख विस्तार से किया गया है। साथ ही इस महाग्रंथ में कुछ ऐसी भी बातें बताई गई हैं, जिन्हें बहुत कम लोग जानते हैं। आज हम इसी विषय पर बात करेंगे और जानेंगे रामायण से जुड़े कुछ ऐसे तथ्य जिनका ज्ञान अधिक लोगों को नहीं है।

रामायण में कितने श्लोक हैं?

वाल्मीकि रामायण में 24,000 श्लोक हैं और हर 1000 श्लोक के पश्चात आने वाले पहले अक्षर से गायत्री मंत्र की रचना होती है। खास बात यह है कि गायत्री मंत्र में भी 24 अक्षर ही मौजूद हैं, जिसका उल्लेख सर्वप्रथम ऋग्वेद में मिलता है।

भगवान श्री राम की एक बड़ी बहन भी थी रामायण कथा में हमने देखा है कि अयोध्या नरेश दशरथ जी के चार पुत्र हैं और श्री राम उन सभी में सबसे बड़े हैं। लेकिन यह बहुत कम लोग जानते हैं कि श्री राम की एक बहन भी थीं, जिनका नाम शांता था और वह चारों भाइयों में सबसे बड़ी थीं। माना जाता है कि अंग देश के राजा रोमपद को कोई संतान नहीं था। जब इस बात का ज्ञान दशरथ जी को हुआ तब उन्होंने शांता को उन्हें पुत्री के रूप में सौंप दिया।

भगवान श्री राम के अन्य भाई किसके अवतार हैं?

यह तो हम सभी जानते हैं कि भगवान श्री राम श्री हरि के अवतार थे। लेकिन उनके भाई लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न भी देवताओं के ही अवतार माने जाते हैं। बता दें कि लक्ष्मण जी को शेषनाग का अवतार माना जाता है। वहीं भरत और शत्रुघ्न भगवान विष्णु द्वारा धारण किए गए सुदर्शन चक्र और

शंख के अवतार मानें जाते हैं।

रावण बहुत अच्छा मीना वादक था

रावण को दैत्यों का राजा माना जाता है। साथ ही रावण को भगवान शिव का परम भक्त भी कहा जाता है। आज जिस शिव तांडव स्तोत्र का हम पाठ करते हैं, वह भी रावण द्वारा ही रचित है। लेकिन क्या आप जानते हैं, कि रावण एक बहुत अच्छा वीणा वादक था।

बुरी नजर वाले तेरा मुँह काला (कहानी)

एक बार की बात है एक बहुत ही गरीब परिवार की लड़की थी, जिसका नाम कोमल था । उसके पिता ऑटो चलाते थे और माँ गृहणी थी । जब कोमल छोटी थी तब उसके पिता ने उसकी पढ़ाई की फीस के लिए ऑटो चलाना शुरू किया । उसके बाद, कोमल के पढ़ाई में होशियार होने के कारण उसे स्कूल से स्कॉलरशिप मिलने लगी, तब वह अपनी स्कूल की फीस खुद ही भरने लगी । वह बहुत ही होशियार और प्रतिभाशाली लड़की थी, अपने स्कूल में वह हमेशा अव्वल आती थी इसलिए उसके माता - पिता को उस पर बहुत गर्व होता था । यहाँ तक कि उसके स्कूल के शिक्षक भी उसकी बहुत तारीफ करते और हमेशा कहते रहते कि कोमल में कुछ कर दिखाने का जूनून है और वह अपने माता - पिता का नाम जरूर रोशन करेगी । कोमल ने स्कूल की पढ़ाई खत्म करने के बाद कॉलेज में दाखिला लिया और उसने वहाँ भी अपनी प्रतिभा दिखाई । उसके प्रतिभाशाली होने कारण ही कॉलेज की पढ़ाई करते - करते ही उसकी जॉब लग गई और वह कॉलेज की पढ़ाई खत्म कर जॉब करने लगी ।

प्रभाती लाल सैनी

जॉब की शुरुआत में उसकी तनख्वाह कम थी । फिर ऑफिस में भी उसने धीरे - धीरे अपनी जगह बना ली और देखते ही देखते उसकी तरक्की होती चली गई । कोमल की इतनी जल्दी तरक्की होने के कारण उसके ऑफिस के और लोग उससे जलने लगे । उसे हमेशा नीचा दिखाने की कोशिश करते और उससे कहते कि तुम्हारी इतनी औकात नहीं है । किन्तु वह बिना डरे अपना काम करती रहती और उसके काम को देखते हुए उसकी तरक्की होती रहती । कोमल के ऑफिस के एक अन्य कर्मचारी जिसका नाम राकेश था, को उससे बहुत ईर्ष्या होने लगी थी, क्यूकि वह उस कंपनी में पहले से था और उसकी उतनी तरक्की नहीं हुई थी और उसकी जगह कोमल की तरक्की हो रही थी । राकेश किसी भी हाल में कोमल को ऑफिस से निकालना चाहता था। इसके लिए उसने कई हथकण्डे भी अपनाये किन्तु हर बार वह असफल रहा ।

एक दिन कोमल ऑफिस में देर रात तक काम कर रही थी, उसके ऑफिस के सभी लोग एक - एक कर घर जाने लगे और वह अकेले ही ऑफिस में काम कर रही थी । कोमल को अकेले ऑफिस में काम करते देख राकेश ने सोचा यही अच्छा मौका है और वह कोमल के पास जा कर बतमीजी करने लगा । कोमल ने उसे मना करने की बहुत कोशिश की, किन्तु वह उसकी बात न सुनता । उस समय तो कोमल वहां से चली गई, परन्तु इन सब से वह डरी और सहमी हुई हालत में घर पहुंची, घर पहुँचते ही उसने अपने आप को कमरे में बंद कर लिया । दूसरी तरफ राकेश यह सोचने लगा कि कोमल अब डर के कारण ऑफिस नहीं आयेगी और जिससे उसको इस जॉब से निकाल दिया जायेगा । राकेश ऐसा पहले भी कई लड़कियों के साथ कर चुका था और वे सारी लड़कियाँ अपनी बदनामी के डर से कुछ ना कहते हुए जॉब छोड़ कर चली जातीं ।

अगले दिन कोमल सुबह उठी और ऑफिस जाने से मना करने लगी, तब उसकी माँ द्वारा पूछे जाने पर उसने सारी कहानी अपनी माँ को बताई और कहने लगी कि वह यह जॉब छोड़ देगी। कोमल की माँ ने उसे समझाते हुए कहा कि -तुम तो इतनी होशियार और साहसी लड़की हो, यदि तुम ही डर के कारण यह जॉब छोड़ दोगी तो इससे कुछ नहीं बदलेगा, क्यूकि ऐसा आज तुम्हारे साथ हुआ है कल कोई और लड़की आयेगी और उसके साथ भी वही हुआ, तब वह भी तुम्हारी तरह डर के कारण जॉब छोड़ने के लिए कहेगी । लेकिन इससे राकेश जैसे लोगों को बढ़ावा मिलता रहेगा और वे लड़कियों को अपने हाथों की कतपुतली समझते रहेंगे । कोमल की माँ ने कोमल को ऑफिस जाने के लिए हिम्मत देते हुए कहा कि -तुम्हें ऑफिस जाना चाहिए और उस आदमी का सामना कर उसके खिलाफ लड़ना चाहिए, ताकि तुम्हारे जैसी कोई और लड़की को इस मुश्किल का सामना न करना पड़े।

कोमल की माँ द्वारा समझाये जाने पर कोमल ने हिम्मत करते हुए ऑफिस जाने का फैसला किया और वह ऑफिस चली गई । कोमल के ऑफिस पहुँचने के बाद राकेश उसे वहाँ देखकर चौंक गया । लेकिन फिर भी वह कोमल को डराते हुए कहने लगा कि तुम यहाँ आ तो गई हो लेकिन मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। तब कोमल ने हिम्मत करते हुए अपने बॉस को उनके कैबिन में जाकर राकेश के बारे में सब कुछ बता दिया । कोमल की बात सुनकर उसके बॉस ने राकेश को अपने ऑफिस से निकालकर पुलिस के हवाले करने का फैसला किया । राकेश ने अपने बॉस को बहुत सफाई देने की कोशिश करते हुए कहा कि -कोमल झूठ बोल रही है वह मुझसे जलती है इसलिए वह मुझे बदनाम कर रही है किन्तु उसके बॉस ने कहा कि कोमल नहीं तुम झूठ बोल रहे हो और उसकी एक ना सुनते हुए उसे तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया । इस तरह राकेश कोमल को ऑफिस से निकलवाने के चक्कर में खुद ही अपनी जॉब से हाथ धो बैठा ।

गायत्री प्रज्ञा पीठ संस्थान चौमूं में हर्षोल्लास के साथ मनाया गुरुपूर्णिमा पर्व पर नौ कुंडीय गायत्री यज्ञ कार्यक्रम

जयपुर (संस्कार सृजन)। शहर के राधाबाग कॉलोनी में स्थित अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में गायत्री प्रज्ञा पीठ संस्थान चौमूं पर गुरुपूर्णिमा पर्व नौ कुंडीय गायत्री यज्ञ कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इससे एक दिन पूर्व चौबीस घंटे का अखंड गायत्री जप किया गया । जिसमें सैकड़ों साधकों ने प्रज्ञापीठ पर लगभग 1 लाख 75 हजार गायत्री मंत्रों की सामूहिक साधना की। विशेष झांकी का आयोजन भी किया गया। पावन गुरु पर्व के शुभारंभ पर लोकेंद्र सिंह द्वारा मिशन के प्रज्ञा गीत को गाया व मनोज पाराशर, रुद्र पाराशर ने सुरमय वाद्ययंत्रों के साथ संगीत दिया। परम पूज्य गुरुदेव एवम माताजी का आवाहन कर चरण पादुकाएं, शक्ति कलश का पूजन किया गया। नौ कुंडीय यज्ञ सैकड़ों साधकों ने आहुतियां दी। नेशनल मोटिवेशनल स्पीकर शिवप्रसाद पालीवाल ने सभी श्रद्धालुओं को गुरुदेव द्वारा किए गए कार्यों को विस्तार से बताते हुए जीवन पर प्रकाश डाला। साथ ही कालूराम कटारिया ने शांतिकुंज हरिद्वार में चल रही गतिविधियों पर प्रकाश डाला। यज्ञ का संचालन गायत्री परिवार के सचिव राजकुमार शर्मा ने किया। इस दौरान 4 माताओं का पुंसवन संस्कार और 10 दीक्षा संस्कार संपन्न कराए गए। इस दौरान गायत्री परिवार अध्यक्ष विनेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र सिंह बिजावत, सावरमल अग्रवाल, गजेंद्र सिंह बीजावत, महेंद्र विजय, रामधन टाक, रामबाबू सेन, चिरंजीलाल माहेश्वरी, बंशीधर वैद्य, मालचंद बुनकर, अमित गोठवाल, अमित अग्रवाल, रामपाल सैनी, मदनलाल विजय, नरेंद्र लालानी, पवन माहेश्वरी, सालिग्राम अग्रवाल, मुरारी अग्रवाल, हेमराज कुमावत, रामसिंह दादरवाल, सरोज शर्मा, ममता दादरवाल, माला शर्मा, कविता सैनी, आशा शर्मा, सुनीता विजय, दयाराम राजपाल, रमेश राजपाल परिव्राजक आदि परिजन उपस्थित रहे।

महात्मा ज्योतिराव फुले विकास संस्थान चौमूं ने किया NEET में चयनित प्रतिभाओं का सम्मान

चौमूं (संस्कार सृजन)। महात्मा ज्योतिराव फुले विकास संस्थान चौमूं कि कार्यकारणी की मीटिंग अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिया कि अध्यक्षता में आयोजित कि गई । जिसमे चौमूं क्षेत्र से NEET मे चयनित प्रतिभाओं का सम्मान किया गया । इस अवसर पर संस्थान के संरक्षक प्रहलाद सहाय अधोप्या, उपाध्यक्ष हीरालाल जादम, मंत्री ओमकार तंवर, सयुक्त मंत्री मोहनलाल तंवर, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार सैनी, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष नान्छूराम बिसलनालिया, पूर्व अध्यक्ष शंकर लाल अधोप्या, मोहन लाल सिंगोदिया, सीताराम चांदोलिया, पुरणमल करवा, कल्याण सहाय तंवर, सुणीलाल बागड़ी, शैतान मल, हेमचंद रोलावन, श्रवण कुमार सैनी, जीतू सैनी आदि उपस्थित रहे।

युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं ने खुलकर रखी अपने दिल की बात

जयपुर (संस्कार सृजन)। युवा संवाद कार्यक्रम का आगाज कांग्रेस नेता डॉ.हनुमान बराला के सानिध्य में चौमूं विधानसभा के ग्राम पंचायत जाटावाली में हुआ । युवा संवाद कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ बेरोजगारी, नशे की लत से छुडवाने, मानसिक रूप से मजबूत बनाने को लेकर किया गया । कांग्रेस नेता डॉ. हनुमान बराला ने बताया की युवा राष्ट्र की धरोहर है और इनके लिए चाहिए की युवाओं की मन की बात हम सुने और समझे । इसलिए हम आज विधानसभा क्षेत्र चौमू की ग्राम पंचायत जाटावाली में युवाओं से संवाद कार्यक्रम में व्याप्त कुसंगति से दूर रहने के साथ , बेरोजगारी, नशे की लत को मिटाने एवं शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के साथ मानसिक रूप से मजबूती को लेकर युवाओं से खुलकर चर्चा की । मेरा लक्ष्य है कि युवा बुरी संगति से बचे, बेरोजगारी से निपटने के लिए भी युवाओं से सवांद कार्यक्रम के तहत उनके विचारों से समस्या जानकार जरूरत पड़ने पर हम विशेष करियर सेमिनार का आयोजन करके भी युवाओं को आत्मनिर्भर एवं मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे । डॉ. बराला ने चौमूं विधानसभा के ज्यादा से ज्यादा युवाओं से युवा संवाद कार्यक्रम में जुड़ने का अपील की क्योंकि जितने ज्यादा युवा जुड़ेंगे उतना ही युवाओ को आत्मनिर्भर एवं मानसिक रूप से मजबूत बनाने का मिशन युवा संवाद सफल होगा । युवा संवाद कार्यक्रम का आगाज जाटावाली ग्राम पंचायत से करने पर क्षेत्र के युवाओं ने डॉ. बराला का आभार जताया । युवा सवांद कार्यक्रम में कल्याण सहाय (पूर्व सरपंच) बद्री प्रसाद जाट,चंद्रप्रकाश शर्मा (यूथ ब्लॉक कांग्रेस जाटावाली),रतन हाटवाल,सुवालाल जिंजवाडिया,लालचंद सेपट (पूर्व सरपंच कुशलपुरा) ,कालूराम जिंजवाडिया,बद्रीप्रसाद जिंजवाडिया, प्रहलाद हटवाल,गुलाबचंद जिंजवाडिया,हनुमान सहाय,बद्री मांडिया,मुरलीधर रूंडला,बंशी सेरावत,मेघराज बुनकर, लालचंद जिंजवाडिया,आर.के. कुमावत,सुरेश सेरावत,कृष्ण सैनी,नरेंद्र यादव,महेश देवंदा,मालीराम बोबास्या,तेजपाल देवन्दा शिरकत की तथा सैकड़ो की तादात में युवा शामिल हुए और अपने दिल की बात रखी ।

पूर्व पार्षद विक्रम सिंह जोधा के सानिध्य में करवाई प्राण प्रतिष्ठा, महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

जयपुर (संस्कार सृजन)। शहर के जोगियों का मोहल्ला स्थित शनि मंदिर में शनि भगवान की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। मंदिर के महंत रामबाबू जोशी तथा ओमप्रकाश जोशी ने बताया कि पूर्व में लगी मूर्ति किसी कारणवश खंडित हो गई थी। जिसकी जगह नई अष्टधातु की मूर्ति लगवाई गई है।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा तक का कार्य पूर्व पार्षद विक्रम जोधा के सानिध्य में हुआ और इसमें पंडित रतन लाल शर्मा , तोता चंद्र प्रकाश शर्मा ने मंत्रोचार करके प्रतिमा को स्थापित करवाया। इससे पूर्व चौमूं गढ़ गणेश मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ हुई। जिसको सीताराम जी के मंदिर के महंत दीपक शर्मा ने और पूर्व पार्षद विक्रम जोधा ने रवाना किया। कलश यात्रा जोगियों के मोहल्ले स्थित शनि मंदिर पहुंची और विसर्जित हुई। इसके बाद मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया गया और मूर्ति स्थापित की गई। इस अवसर पर शशिकांत भार्गव, रवि जोशी, योगेश जोशी, अखिलेश जोशी, मुकेश योगी, रूडमल योगी, सचिन भार्गव, विजय सिंह, राधेश्याम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए बनेंगे 5 नवीन छात्रावास

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों हेतु 5 नवीन छात्रावासों के भवन निर्माण के लिए 14 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। अलवर के मालाखेड़ा, श्रीगंगानगर के सूरतगढ़, पाली के रायपुर व उदयपुर के कानोड़ में सावित्री बाई फूले अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास तथा चूरू के जैतासर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर अनुसूचित जाति बालक छात्रावास के लिए नवीन भवनों का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक छात्रावास के लिए 2.80 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इन छात्रावासों में 50-50 विद्यार्थियों की आवास क्षमता होगी। गहलोत की इस स्वीकृति से अनुसूचित जाति के विद्यार्थी सुगमता से शिक्षा प्राप्त कर अपने बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकेंगे।

गुरु पूर्णिमा पर्व पर अजय चौहान ने लिया गुरूदेव महन्त हरजी महाराज का आशीर्वाद

जालोर (संस्कार सृजन)। गुरू पूर्णिमा पर्व के अवसर पर राष्ट्रीय सर्व मेघवंश महासभा (इण्डिया) के अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान के प्रदेश महासचिव अजय चौहान नाडोल गये ।

वहां पर बाल तपस्या अणसी बाई के दर्शन किये, मनोकामना पूर्ण करने की कामनाएँ की। वहाँ पर अपने गुरुदेव महन्त हरजी महाराज का आशीर्वाद लिया।

हिंदी फिल्म ऑक्सीजन दी आइकॉनिक टूथ का हुआ प्रीमियर शो

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर के नारायण सिंह सर्किल स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब में पूजा फ़िल्म्स कोटपूतली के बैनर तले निर्मित बहुप्रतीक्षित हिन्दी फिल्म ऑक्सीजन दी आइकॉनिक टूथ का विशेष प्रीमियर शो आयोजित किया गया । सर्वप्रथम अतिथियों ने माँ सरस्वती का माल्यार्पण कर दीप प्रवलन किया । फिल्म के हीरो बादल ने स्वयं सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार किया । प्रीमियर शो के मुख्य अतिथि पीपलदा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राम नारायण मीणा रहे । मुख्य अतिथि मीणा ने कहा कि आदिवासी मीना जनजाति के गौरवशाली इतिहास की ऐतिहासिक यादों को इस फिल्म में एक लाजवाब प्रेम कहानी के जरिए दिखाया गया है । यह फिल्म स्टार कास्ट और सिनेमा जगत के लिए सचमुच ऑक्सीजन का काम करेगी । इस अवसर पर अम्बेडकराईड पार्टी ऑफ इंडिया के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष डॉ. दशरथ सिंह भी मौजूद रहे । फिल्म की भव्यता और लाजवाब कहानी पर आधारित फिल्म को देखने के बाद सभी दर्शकों ने फिल्म को सुपर हिट फिल्म बताते हुए फिल्म के लेखक, अभिनेता, गीतकार व निर्देशक बादल झरवाल की दिल से तारीफ की और कहा कि आज फिल्म के हीरो बादल का जन्मदिन भी था। बादल ने सभी सिने प्रेमियों को यह लाजवाब तोहफा दिया है,जो कभी भुलाया नहीं जा सकता है । एक महिला दर्शक ने कहा कि पहली बार किसी ने मीणा जनजाति के इतिहास को फिल्म में स्थान दिया है । फिल्म के सभी गाने कर्ण प्रिय हैं । नवोदित अभिनेत्री निष्ठा डागुर और बादल झरवाल ने शानदार अभिनय से फिल्म में जान दाल दी है । दर्शकों को एक बार फिल्म जरूर देखनी चाहिए । प्रीमियर शो में निष्ठा डागुर, हितेश धींगरा, राखी शुक्ला, पूरण मल पारीक (जवान भाई),राम शंकर भारद्वाज, सुभाष सेठ, रामचंद्र मीणा, विवान , मोहन शर्मा, निशा सेठ, सत्यनारायण टेलर, रणजीत वर्मा, उमेश पंत सहित फिल्म की स्टार कास्ट मौजूद रही ।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूं, जिला-जयपुर से प्रकाशित। EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com